



भाकृअनुप - डीपीआर समाचार पत्र

सरदार पटेल पुरस्कार से पुरस्कृत
उत्कृष्ट भाकृअनुप संस्थान
ISO 9001 : 2015 प्रामाणित संस्थान



प्रशिक्षु छात्रावास उद्घाटित

डॉ. विलोचन महापात्र, सचिव, डेयर एवं महानिदेशक, भाकृअनुप ने निदेशालय में 22 सितंबर 2018 को नवनिर्मित प्रशिक्षु छात्रावास का उद्घाटन किया, जिसमें 10 कमरे हैं जो

निदेशालय में आयोजित किए जाने वाले विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों के दौरान प्रशिक्षणार्थियों की आवास की आवश्यकताओं को पूर्ति करते हैं।



डॉ. विलोचन महापात्र, सचिव, डेयर एवं महानिदेशक, भाकृअनुप प्रशिक्षु छात्रावास का उद्घाटन करते हुए

विषय वस्तु

निदेशक संघ

- अनुसंधान की मुख्य विशेषताएं
- प्रौद्योगिकी हस्तांतरण
- आयोजित प्रशिक्षण
- आयोजित बैठकें
- मानव संसाधन विकास
- पुरस्कार / पहचान
- विशिष्ट अतिथिगण

निदेशक संघ ...



जुलाई से दिसंबर 2018 की अवधि के भाकृअनुप-डीपीआर समाचार पत्र का यह अंक प्रस्तुत करते हुए मुझे अपार प्रसन्नता हो रही है। संस्थान के वैज्ञानिक नई तकनीकों के विकास, सुधार, उत्पादकता एवं घरेलू कुक्कुट उत्पादकता हेतु उन्नत देशज नस्लों का उपयोग कर अल्प निवेश से खुले घर आंगन में कम उत्पादकता की स्थिति में सुधार करने की दिशा में समाधान खोज रहे हैं। संस्थान द्वारा किए गए उल्लेखनीय विकासों के अंतर्गत क्रमशः प्रारंभिक जनन कोशिकाओं (P G C S) के क्रायोप्रिजर्वेशन के माध्यम से स्वदेशी कुक्कुट नस्लों का बायोबैंकिंग, कुक्कुटों में प्रतिरक्षा हेतु आइरन की सुरक्षात्मक प्रभावकारिता द्वारा निष्क्रिय फाउल कोलेरा के विरुद्ध वैक्सीन, स्वदेशी नस्लों के TAP1 जीन में बहुरूपता तथा नस्लों में खमीर में पूरक के माध्यम से ग्रीष्म तनाव को कम करना एवं देशी तथा विदेशी ब्रायलर कुक्कुट मादा वंशावली में शरीर के बजन वृद्धि हेतु पशु प्रादर्श (REML) के माध्यम से

आनुवांशिक मापदंडों का अनुमानित अध्ययन आदि है। अनुसंधान के अलावा, संस्थान ने कुक्कुट पालन के विभिन्न पहलुओं पर हितधारकों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए।

आदिवासी उप योजना (टीएसपी) के तहत आदिलाबाद जिला, तेलंगाना के विभिन्न आदिवासी तबकों के कुल 137 किसानों को वनराजा चूजे वितरित किए गए। संस्थान द्वारा कुल 2,48,032 विकसित कुक्कुट किस्मों परं विकसित देशी कुक्कुटों की आपूर्ति की गयी।

कुक्कुट प्रजनन पर स्थित एआईसीआरपी एवं कुक्कुट बीज परियोजना के तहत क्रमशः कुल 3,58,778 एवं 2,73,711 जर्मप्लाज्म की आपूर्ति की गई। मुझे अत्यंत प्रसन्नता है कि निदेशालय के वैज्ञानिक द्वारा इस दौरान विभिन्न पुरस्कार प्राप्त किए गए।

आर.एन.चटर्जी
(आर.एन.चटर्जी)

अनुसंधान की मुख्य विशेषताएं

बायोबैंकिंग के लिए स्वदेशी कुक्कुट नस्लों की प्रारंभिक जनन कोशिकाओं (PGCs) का हिम - परिरक्षण

कुक्कुट एवं अन्य पशुओं में कार्यशील युग्मज का विकास करने के लिए मौलिक जनन कोशिकाएं आर.एन.चटर्जी (PGCs) अग्रगामी होती हैं और इसीलिए, सजीव पशुओं को पुनः प्राप्त करने में कुक्कुटों के आनुवांशिक संसाधनों के रूप में इनका उपयोग करने हेतु ये व्यापक संभावना जाग्रत करती हैं। कुक्कुट नस्लों/वंशशक्रमों के परोक्ष संरक्षण की सर्वाधिक महत्वपूर्ण विधियों में एक विधि मौलिक जनन कोशिकाओं (PGCs) का हिम-परिरक्षण करना है। असील और निकोबारी नस्लों की एचएच अवस्था 15 के भ्रून से मौलिक जनन कोशिकाएं (PGCs) संकलित की गई और फीडर कोशिका वंशशक्रमों पर मौलिक जनन कोशिकाओं (PGCs) के संवर्धन के लिए प्रोटोकॉल का मानकीकरण किया गया। मौलिक जनन कोशिकाओं (PGCs) में मार्कर जीन (VASA, SOX, Nanog, BLIMPetc) के प्रकटन का विश्लेषण किया गया और मौलिक जनन कोशिकाओं (PGCs) का हिम परिरक्षण तीन माह के लिए तरल नाइट्रोजन में किया गया। तीन माह के लिए मौलिक जनन कोशिकाओं (PGCs) का हिम परिरक्षण करने के बाद मौलिक जनन कोशिकाओं (PGCs) की लगभग 60 से 70 प्रतिशत जीवनक्षमता पाई गई। ये परिणाम अत्यंत दोहराये जाने योग्य थे। मौलिक जनन कोशिकाओं (PGCs) को अवस्था 15 के प्रदाता भ्रून में स्थानान्तरित किया गया एवं कुक्कुट विकसित हुए। मौलिक जनन कोशिकाओं (PGCs) के साथ पुनः प्राप्ति (resurrection) की दर 8.3 प्रतिशत थी। अतः मौलिक जनन कोशिकाओं (PGCs) के हिम-परिरक्षण के प्रोटोकॉल का मानकीकरण किया गया है और दो स्वदेशी कुक्कुट नस्लों की मौलिक जनन कोशिकाओं (PGCs) का हिम-परिरक्षण किया गया है। मौलिक जनन कोशिकाओं (PGCs) के हिम-परिरक्षण की तकनीक में सजीव पक्षियों को पुनः हासिल करने के लिए पक्षियों के सम्पूर्ण झुंड का रख-रखाव किए बिना ही कुक्कुट प्रजातियों का संरक्षण करने की क्षमता है।

टी. के. भद्राचार्य, दिव्या डी, रेणू शुक्ला एवं, आर.एन.चटर्जी

आइरन निष्क्रीय पास्टिरेल्ला मल्टोसिडा की प्रतिरक्षाजनकता एवं रक्षात्मक प्रभावों की प्रगुणता: A:1 फाउल कोलेरा के विरुद्ध मारक टीकाकरण

विभिन्न सहायकों के साथ संयोजन में पास्टरेला मल्टोसिडा ए-1 पृथक्क पर आयरन निष्क्रीयता की प्रभावशीलता का मूल्यांकन किया गया। फाउल कोलेरा के क्षेत्र पृथक्कों को आएरन अनुपूर्ति के साथ और इसके बिना BHI ब्रोथ को बढ़ाया गया। आयरन की कमी तथा आयरन से भरपूर माध्यक के साथ बढ़े पास्टरेला एण्टीजन के SDS-PAGE विश्लेषण में आयरन सम्पूरित माध्यम में बाह्य मेम्ब्रेन पेट्राइड्स (OMPs) का आशाजनक प्रकटन प्रदर्शित हुआ। प्रति खुराक 2.5 मिग्रा. एन्टीजन के समतुल्य 5X 108 CFU/ml के साथ तैयार किए गए संवर्धन की गणना की गई और प्रयोगात्मक टीकों को तैयार करने में उपयोग किया गया। फार्मेलिन निष्क्रीय तथा एपीएस सहायक से मिश्रित (FIA), फार्मेलिन

निष्क्रीय - फ्रेरेंड सहायक (FIF), आयरन निष्क्रीय तथा आयरन के साथ सहायक (III), आयरन सम्पूरित आयरन निष्क्रीय एवं आयरन के साथ सहायक (ISII) और व्यावसायिक तेल इमल्शन टीका (CV), तथा कंट्रोल का उपयोग इस अध्ययन में किया गया। दो सप्ताह की आयु अवस्था वाले कुल 120 पक्षियों ($n=20/\text{समूह}$) में इन टीकों के साथ प्रतिरक्षाकरण किया गया और संबंधित टीके के साथ तीसरे एवं छठे सप्ताह की आयु अवस्था में बूस्टर दिए गए। प्रतिरक्षाकरण के चौथे सप्ताह से आयरन निष्क्रीय टीके द्वारा सुरक्षात्मक प्रतिरक्षी अनुमापक प्रेरित किए गए। बूस्टर खुराक पर, इसमें उल्लेखनीय रूप से उच्चतर ($P<0.05$) प्रतिरक्षी प्रतिक्रिया उत्पन्न हुई। साप्ताहिक अन्तराल पर सीरम में एलाइजा द्वारा विशिष्ट एंटीबॉडी अनुमापन का मूल्यांकन किया गया। नासिका मार्ग द्वारा 5×104 CFU/ml के साथ पक्षियों ($n=6/\text{समूह}$) में चुनौती प्रस्तुत की गई। आयरन निष्क्रीय प्रयोगात्मक टीके से उसी प्रकार की सुरक्षा हासिल हुई जैसी कि चुनौतीपूर्ण संक्रमण पर व्यावसायिक टीके द्वारा प्रदान की गई थी।

टी.आर. कन्नकी

टैपेसिन एवं टीएपी-2 जीन के विभिन्न एक्सॉन में एसएनपी

टैपेसिन तथा टीएपी-2 जीन के विभिन्न एक्सॉन में घागस, दहलम रेड और भूरे निकोबारी नस्लों के लिए सिंगल स्ट्राप्ड पुष्टिकर बहुरूपिता (SSCP) का अध्ययन किया गया। टैपेसिन जीन के एक्सॉन बहुरूपीय थे और कुल आठ भिन्न हैप्लोटाइप तथा सतह हैप्लोग्रुप्स पाए गए तथा हैप्लोग्रुप h1h5 की संचयी आवर्ती अधिकतम (0.386) पाई गई। TAP2 जीन में, हैप्लोटाइप h3 आवर्ती सबसे अधिक (0.348) थी एवं तदुपरात्त h1 (0.332) की आवर्ती पाई गई। कुल 15 हैप्लोग्रुप्स पाए गए और हैप्लोग्रुप h3h3 की संचयी आवर्ती सबसे अधिक (0.175) थी। टैपेसिन जीन में दहलम रेड नस्ल में कुल 13 हैप्लोग्रुप में से सात हैप्लोग्रुप यथा h1h2, h1h4, h1h5, h1h6, h2h4, h2h5 तथा h3h5, दो और 6 – 13 सप्ताह की आयु अवस्था में शरीर भार के साथ उल्लेखनीय रूप से भिन्न पाए गए। घागस नस्ल में, कुल 11 हैप्लोग्रुप्स में से h1h2 हैप्लोग्रुप एचआई टाइटर में हैप्लोग्रुप h1h5 तथा h1h6 से उल्लेखनीय रूप से भिन्न पाया गया जबकि 11 सप्ताह की आयु अवस्था में लिम्फोसाइट गणना के साथ हैप्लोग्रुप h1h2, हैप्लोग्रुप h1h4 तथा h1h5 के साथ उल्लेखनीय रूप से भिन्न ($P<0.05$) पाया गया। निकोबारी नस्ल में, कुल 11 हैप्लोग्रुप में से h1h5 हैप्लोग्रुप 1-3 तथा 7-9 सप्ताह की आयु अवस्था में शरीर भार में हैप्लोग्रुप h1h6 तथा h1h7 से उल्लेखनीय रूप से भिन्न पाया गया। इसी प्रकार का रुझान HI टाइटर के लिए भी पाया गया।

एस. पी. यादव एवं टी.आर. कन्नकी

सिंथेटिक रंगीन ब्रायलर मादा वंशावली में पशु मॉडल का उपयोग करके आनुवांशिक लाभों का विश्लेषण

पिछली पाँच पीढ़ियों (एस 23 से एस 27) के दौरान हैचिंग किए गए 18,083 सिंथेटिक

रंगीन ब्रायलर मादा वंशक्रम (पीडी 2) चूजों के प्रदर्शन डाटा का विश्लेषण किया गया और इस कार्य में फिटिंग संयोज्य, मातृत्व संयोज्य तथा पर्यावरणीय प्रभावों द्वारा पशु मॉडल (REML) का उपयोग किया गया। मॉडल्स में एक मातृत्व आनुवंशिक प्रभाव को शामिल करने पर सभी किशोर गुणों के लिए उपयुक्तता की उन्नत स्थिति पाई गई। हैचिंग के समय, दो सप्ताह की आयु अवस्था, चार सप्ताह की आयु अवस्था और पांच सप्ताह की आयु अवस्था (BW0, BW2, BW4 तथा BW6) में शरीर भार के लिए वंशागतित्व (h2) के अनुमान क्रमशः 0.06, 0.19, 0.15 और 0.14 थे। हैचिंग के समय (BW0) शरीर भार के लिए मातृत्व वंशागतित्व अनुमान (m2) 0.32 था। BW0 जिसमें 0.17 का अनुमान था, इसके अलावा सभी किशोर गुणों के लिए मातृत्व पर्यावरणीय प्रभाव (c2) का नगण्य गुणांक 0.05 से 0.08 तक थे।

पिछली पांच पीड़ियों में पांच सप्ताह की आयु अवस्था में शरीर भार के औसत प्रजनन मूल्य द्वारा आनुवंशिक रूझान वाले वंशक्रमों को पाला गया और 40 सप्ताह की आयु अवस्था तक अण्डा उत्पादन हासिल किया गया। पांच सप्ताह की आयु अवस्था में शरीर भार के लिए और 40 सप्ताह की आयु अवस्था में अण्डा उत्पादन के लिए प्रति पीढ़ी 7.8 ग्राम और 0.95 अण्डे की आनुवंशिक वृद्धि हासिल की गई। यह निष्कर्ष निकाला जा सकता है कि मातृत्व प्रभावों (आनुवंशिक एवं पर्यावरणीय दोनों) को शामिल करने पर प्रारंभिक आयु अवस्था में शरीर भार के लिए आनुवंशिक मूल्यांकन की सटीकता में सुधार हुआ। सकारात्मक आनुवंशिक वृद्धि से यह पता चलता है कि चयन के तहत गुणों के मामले में सेलेक्शन प्रभावी था।

लेस्ली लियो प्रिंस

प्रौद्योगिकी हस्तांतरण

जनजातीय उप-योजना के तहत आकांक्षित जिलों के आदिवासी गाँवों में उन्नत कुक्कुट पालन का अधिष्ठापन

भाकृअनुप-डीपीआर ने ग्रामीण/ खुले घर अंगन में पालन हेतु विकसित कुक्कुट किस्म वनराजा को आदिलाबाद ज़िला, तेलंगाना में जनजातीय उप-योजना (टीएसपी) कार्यक्रम के तहत आदिवासी किसानों के आय और जीवन को बेहतर बनाने के उद्देश्य से एक मानक कार्यक्रम प्रारंभ किया। कार्यक्रम का आरंभ 21 जुलाई 2018 को कोलमगुडा (थाटीगुड़ा) और कोशागुद्दा गांव में किया गया। इन गांवों में कार्यक्रम का उद्घाटन डॉ. आर.एन. चटर्जी, निदेशक द्वारा कुक्कुट पालन उपकरण एवं दाना के साथ विकसित वनराजा चूजों का वितरण करके किया गया। कुल 57 आदिवासी लाभार्थियों में प्रत्येक को 10-20 वनराज कुक्कुट, 15 किलोग्राम दाना, एक फीडर एवं एक जल प्रदायक उपलब्ध कराया गया। इन आदिवासी किसानों को घर-अंगन कुक्कुट पालन और इसके प्रबंधन प्रणालियों के बारे में समझाया गया। भाकृअनुप-डीपीआर के वैज्ञानिक/अधिकारी, सहायक निदेशक,



टीएसपी लाभार्थियों के साथ निदेशक एवं निदेशालय के कर्मचारी

गर्मियों के दौरान निकोबारी कुक्कुटों एवं पीडी-3 में विभिन्न शारीरिक मापदंडों में परिवर्तन

ग्रीष्मकाल के दौरान, शरीर की ताप नियामक प्रणाली द्वारा अनेक शरीरक्रियाविज्ञान क्रियाविधियों को समायोजित किया जाता है। पीडी-3 कुक्कुट वंशक्रम विदेशी नस्ल अथवा प्रजाति दहलम रेड और एक स्वदेशी प्रजाति निकोबारी की एक वंशावली है। पीडी-3 चूजों में, गर्मियों के दौरान ($37\text{--}29^\circ\text{C}$, RH 46-59%) खमीर संवर्धन से अनुपूरित वर्ग के साथ तुलना करने पर लिपोजेनिक जीनों स्टेरोग्यैल Co A डिसैचरेज तथा फैटी एसाइल सिथेज यकृत और मस्तिष्क में कहीं अधिक प्रकटित ($P<0.05$) थे। खमीर संवर्धन से अनुपूरित वर्ग के साथ तुलना करने पर कंट्रोल की तुलना में लिवर, मस्तिष्क और मैग्नम में हार्मोन, लेट्रिन, घरेलिन तथा GH के लिए रिसेप्टर उर्ध्व - नियमित ($P<0.05$) थे। निकोबारी चूजों में, बढ़ा हुआ प्लाज्मा लेट्रिन ($P<0.05$) तथा प्लाज्मा घरेलिन हार्मोन ($P<0.01$) पाया गया जबकि खमीर संवर्धन से अनुपूरित वर्ग में एक प्रतिकूल प्रभाव पाया गया। खमीर संवर्धन से अनुपूरित का भी जेजुनम के ऊतक-आकृतिविज्ञान पर सुरक्षात्मक प्रभाव था जिससे जेजुनम के villi का शून्य अथवा मध्यम ऊतकक्षय का पता चलता है, जबकि कंट्रोल वर्ग में मध्यम गंभीरता वाला ऊतकक्षय पाया गया। ग्रीष्म उपरान्त अवधि के दौरान खमीर संवर्धन से अनुपूरित के कारण शरीर भार और अण्डा भार में उल्लेखनीय बढ़ोतरी ($P<0.05$) हुई।

एन. आनंदलक्ष्मी, आर.के. महापाला एवं एम. षण्मुगम

(पशुपालन) एवं पशु चिकित्सा अधिकारी, खानपुर इस कार्यक्रम के दौरान उपस्थित रहे।

15 सितंबर 2018 को कोलमगुडा, उत्तर तहसील, बिरसायपेट गाँव में दूसरे बैच का वितरण आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में निदेशालय के वैज्ञानिक एवं अधिकारियों के दल ने भाग लिया। कुल 35 आदिवासी लाभार्थियों में प्रत्येक को 12-14 वनराज कुक्कुट, 15 किलोग्राम दाना, एक पानी का फीडर एवं दवाई का एक किट प्रदान किया गया। 9 नवंबर 2018 को पुनः कोलमगुडा, उत्तर तहसील के धर्मजीत गाँव में इनपुट वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कुल 45 आदिवासी लाभार्थियों में प्रत्येक को 10 वनराज कुक्कुट, 15 कि.ग्रा. दाना, एक फीडर, जलप्रदायक एवं दवाई का एक किट प्रदान किया गया।

इसके अतिरिक्त ITDA, उत्तर में चूजों को नर्सरी चरण से 6 सप्ताह की आयु में विकसित करने के लिए एक मदर यूनिट सुविधा की स्थापना की गई। ITDA ने 3000 चूजों को पालने की सुविधा बनाई है। चूजों का पहला समूह 12 दिसंबर 2018 को पेश किया गया।



भाकृअनुप - डीपीआर द्वारा प्रदर्शनियों में भागीदारी

पौल्ट्री इंडिया 2018

आईपीईएमए द्वारा हाईटेक्स, हैदराबाद में 28 से 30 नवंबर तक 2018 आयोजित पौल्ट्री इंडिया - 2018 प्रदर्शनी में डीपीआर ने भाग लिया। संस्थान द्वारा विकसित की गयी उन्नत कुक्कुट किस्मों जैसे - वनराजा, ग्रामप्रिया, श्रीनिधि आदि ने कुक्कुट पालन किसानों को काफी आकर्षित किया। तीन दिनों में लगभग 4-5 हजार किसान, प्रौद्योगिक और वैज्ञानिकों ने स्टाल का दौरा किया।

आईआईआरआर में किसान दिवस

संस्थान ने 3 नवंबर 2018 को कुक्कुट पालन बीज परियोजना भाकृअनुप-आईआईआरआर, हैदराबाद द्वारा आयोजित किसान दिवस में भाग लिया। किसानों को उन्नत कुक्कुट किस्मों पर साहित्य वितरित किया गया।

किसान मेला मोतिहारी

23-25 दिसंबर 2018 को केवीके पीरकोठी, मोतिहारी, बिहार में भाकृअनुप-डीपीआर ने पासू आरोग्य मेले में भाग लिया। लगभग 2500-3000 किसानों ने स्टाल का दौरा किया। प्रदर्शनी में प्रदर्शित प्रौद्योगिकियों ने कई किसानों एवं आंगन्तकों को आकर्षित किया।

प्रशिक्षण आयोजित / कौशलता विकास



निदेशक एवं संकाय सदस्यों के साथ प्रशिक्षणर्थी

कुक्कुट पालन पर प्रमाणित पशुधन सलाहकार कार्यक्रम (मॉड्यूल - II)

राष्ट्रीय कृषि विस्तार प्रबंधन संस्थान (मैनेज), हैदराबाद, के सहयोग से निदेशालय ने 22 अक्टूबर- 5 नवंबर 2018 के दौरान कुक्कुट पालन पर प्रमाणित पशुधन सलाहकार कार्यक्रम (मॉड्यूल-II) पर एक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया। इस कार्यक्रम में 8 राज्यों के कुल 13 पशु पालन अधिकारियों ने भाग लिया। प्रशिक्षुओं को कुक्कुट पालन के विभिन्न पहलुओं जैसे प्रजनन, पोषण, प्रबंधन, उत्पादन और स्वास्थ्य देखभाल प्रणालियों से अवगत कराया गया। इन्हें वाणिज्यिक एवं घर आंगन में कुक्कुट पालन की इकाइयों का क्षेत्र भ्रमण भी कराया गया।

स्थापित कृषि उद्यमियों हेतु आधुनिक कुक्कुट पालन प्रबंधन

स्थापित कृषि उद्यमियों हेतु 24 से 27 नवंबर 2018 के दौरान मैनेज, हैदराबाद के सहयोग से "स्थापित कृषि उद्यमियों हेतु आधुनिक कुक्कुट पालन प्रबंधन" पर एक पुनर्शर्या प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह कार्य एग्री-कल्तीनिक एवं एग्री व्यापार केंद्र, हैदराबाद, (एसी और एबीसी) योजना के तहत आयोजित प्रयोजित हुआ। विभिन्न राज्यों के कुल 40 कृषि उद्यमियों ने प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया। प्रतिभागियों के लाभ के लिए एक वाणिज्यिक कुक्कुट पालन यूनिट के क्षेत्र दौरे की व्यवस्था भी की गई।

बैठकें आयोजित

संस्थान अनुसंधान समिति की बैठक

27 नवंबर 2018 को डॉ. आर.एन. चतुर्जी, निदेशक की अध्यक्षता में वर्ष 2018-19 की संस्थान अनुसंधान समिति की अर्ध-वार्षिक बैठक संपन्न हुई। अनुसंधान परियोजनाओं के मध्यावधि प्रगति की समीक्षा की गयी एवं अध्यक्ष ने किसानों की आय को दोहरा करने की दिशा में कुक्कुट प्रौद्योगिकियों की खोज पर बल दिया।

कुक्कुट प्रजनन एवं कुक्कुट बीज परियोजना पर एआईसीआरपी की वार्षिक समीक्षा बैठक

23- 24 अगस्त 2018 को एनईएच क्षेत्र के लिए आईसीएआर अनुसंधान परिसर, उमियाम, मेघालय में अविल भारतीय कुक्कुट समन्वित परियोजना (एआईसीआरपी) एवं कुक्कुट बीज परियोजना की वार्षिक समीक्षा बैठक संपन्न हुई। डॉ. जे.के. जेना, उप महा निदेशक (पशु विज्ञान) इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित हुए। उन्होंने वैज्ञानिकों से माननीय प्रधान मंत्री का "दोहरी किसान आय" के सपने को पूरा करने हेतु कड़ी मेहनत करने का आग्रह किया। डॉ. आर.एस. गांधी, सहा महानिदेशक (एपी एंड बी), भाकृअनुप, नई दिल्ली ने ग्रामीण जनता की पोषण और आजीविका सुरक्षा हेतु खुले घर आंगन में कुक्कुट पालन के उपयुक्त जननद्रव्य के उत्पादन एवं प्रसार की आवश्यकता पर जोर दिया। डॉ. आर.एन. चतुर्जी, निदेशक, भाकृअनुप-एनआरसी शूकर, गुवाहाटी ने भी इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त किए। डॉ. एन. प्रकाश, निदेशक, एनईएच क्षेत्र हेतु भाकृअनुप अनुसंधान केंद्र, उमियम ने इस अवसर पर स्वागत भाषण दिया। इस समीक्षा बैठक में देश के विभिन्न राज्यों में स्थित 12 एआईसीआरपी और 12 कुक्कुट बीज परियोजना केंद्रों के केंद्र प्रभारियों ने भाग लिया।

संस्थान पशु आचार संहिता समिति की बैठक

29 सितंबर 2018 को संस्थागत पशु आचार संहिता समिति की XXII वीं बैठक संपन्न



कुक्कुट प्रजनन पर एआईसीआरपी एवं कुक्कुट बीज परियोजना की वार्षिक समीक्षा बैठक का आयोजन

हुई, जिसमें पशु प्रयोगों की समीक्षा एवं इनका अनुमोदन किया गया।

संस्थान संयुक्त कर्मचारी समिति की बैठक

10 वीं संस्थान संयुक्त कर्मचारी समिति की चौथी एवं पांचवीं बैठके क्रमशः 11 सितंबर 2018 एवं 31 दिसंबर 2018 को संपन्न हुई।

संस्थान प्रबंधन समिति की बैठक

19 सितंबर 2018 को संस्थान प्रबंधन समिति की बैठक संपन्न हुई।

अन्य गतिविधियां

हिंदी कार्यान्वयन गतिविधियां

इस अवधि के दौरान 24 नवंबर 2018 एवं 22 दिसंबर 2018 को कर्मचारियों के दैनिक कार्यालय संबंधी कार्यों हेतु भाषायी कौशलताओं के उन्नयन के लिए दो हिंदी कार्यशालाएँ आयोजित की गयी। 1 नवंबर 2018 से 3 दिसंबर 2018 के दौरान इस निदेशालय ने



नराकास-2 से पुरस्कार ग्रहण करते हुए निदेशक महोदय

केंद्रीय हिंदी शिक्षण संस्थान के तहत हिंदी पारंगत पाठ्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें सभी ग्याराह अधिकारी उत्तीर्ण हुए। निदेशालय द्वारा 14 सितंबर 2018 को हिंदी दिवस एवं 14-28 सितंबर 2018 तक हिंदी पखवाड़ा आयोजित किया गया। संस्थान को वर्ष 2018 के लिए नराकास – 2 का राजभाषा कार्यान्वयन पुरस्कार (तीसरा पुरस्कार) प्राप्त हुआ।

स्वच्छ भारत गतिविधियां

स्वच्छ भारत अभियान के तहत निदेशालय परिसर के भीतर एवं बाहर सप्ताह में एक बार सफाई गतिविधियों का आयोजन किया जाता है। "स्वच्छता ही सेवा" अभियान के तहत निदेशालय में 15 सितंबर - 2 अक्टूबर 2018 तक विभिन्न गतिविधियों का आयोजन करके संस्थान परिसर, पाठशाला, गोद लिए गए गाँव और अन्य आसपास के गाँव तथा पर्यटन स्थलों में जागरूक अभियान चलाया है, तत्पश्चात् 16 दिसंबर से 31 दिसंबर 2018 तक स्वच्छता पखवाड़ा भी आयोजित किया गया।



कर्मचारी स्वच्छता जागरूकता अभियान रैली में भाग लेते हुए

मानव संसाधन विकास

प्रशिक्षण कार्यक्रमों में भाग लिए भाकृअनुप-डीपीआर के कर्मचारी

क्रम सं	प्रशिक्षण का नाम	कर्मचारी का नाम एवं पदनाम	समय	स्थान
1	कुक्कुट उत्पादन एवं स्वास्थ्य	डॉ. चंदन पासवान वरिष्ठ वैज्ञानिक	15 जुलाई से 25 सितंबर 2018	ईआईसीए ईजिए
2	AST-WHONET एवं ICAR-INFAAR नेटवर्क परियोजना का शुभारंभ पर प्रशिक्षण कार्यक्रम	डॉ. डी. सुचित्रा सेना प्रधान वैज्ञानिक	23 से 25 जुलाई 2018	आईवीआरआई इज्जतनगर
3	पशुधन क्षेत्र में किसानों की आय दोगुनी करने हेतु नवाचार: मांस मूल्य श्रृंखला में रणनीतियां एवं उपयुक्तताएं पर ग्रीष्मकालीन पाठशाला	डॉ. एम. षण्मुगम वरिष्ठ वैज्ञानिक	25 जुलाई से 14 अगस्त 2018	एनआरसीएम हैदराबाद
4	बौद्धिक संपदा मूल्यांकन एवं प्रौद्योगिकी प्रबंधन	डॉ. एस. एस. पॉल प्रधान वैज्ञानिक	24 से 29 अगस्त 2018	नार्म, हैदराबाद
5	प्रायोगिक विश्लेषण डाटा पर प्रशिक्षण कार्यक्रम	डॉ. ए. कन्नन प्रधान वैज्ञानिक	6 से 11 सितंबर 2018	नार्म, हैदराबाद
6	वेब एवं मोबाइल अनुप्रयोग के विकास में प्रगति	डॉ. एल. लेस्ली लिओ प्रिंस वरिष्ठ वैज्ञानिक	5 से 10 अक्टूबर, 2018	नार्म, हैदराबाद

भाकृअनुप — डीपीआर मोबाइल ऐप

"ICAR-DPR" का एक Android मोबाइल ऐप विकसित किया गया। यह मोबाइल एप्लिकेशन अनुप्रयोग संस्थान की गतिविधियों (इतिहास, दृष्टि, मिशन और अधिदेश), निदेशक एवं कर्मचारी, विकसित जर्मप्लाज्म, नस्लों और सुधार किए गए वंशावलियों, विकसित प्रौद्योगिकी, कुकुट प्रजनन पर एआईसीपीआर, कुकुट बीज परियोजना, जर्मप्लाज्म उपलब्धता और मूल्य, नवीनतम समाचार, डाउनलोड (उन्नत किस्मों पर पत्रक) और संपर्क विवरण जानकारी प्रदान करता है।



मोबाइल ऐप हेतु
QR कोड



विशिष्ट अतिथिगण

1. डॉ. लिलोचन महापाल,
महानिदेशक, भाकृअनुप
2. श्री बी. प्रधान,
अतिरिक्त सचिव एवं वित्त सलाहकार, डेयर/ भाकृअनुप
3. डॉ. जे.के.जेना,
उप महानिदेशक (पशु. विज्ञा.) , भाकृअनुप
4. डॉ. एस.सी. महापाल,
पूर्व निदेशक, पीडीपी
5. प्रो. पूर्णदु बिस्वास,
उप कुलपति, डब्लूबीयूएफएस

डॉ. टी.आर. कन्नकी, वरिष्ठ वैज्ञानिक को एएचपी 2018, चंडीगढ़ में उत्तम मौखिक प्रस्तुतीकरण पुरस्कार प्राप्त हुआ। IPSACON-2018 में भी डॉ. टी.आर. कन्नकी, वरिष्ठ वैज्ञानिक को मौखिक प्रस्तुति में प्रथम एवं द्वितीय पुरस्कार प्राप्त हुए।



एएचपी, चंडीगढ़ में उत्तम मौखिक प्रस्तुतीकरण पुरस्कार प्राप्त करते हुए डॉ. कन्नकी

सम्मेलनों / संगोष्ठियों / कार्यशालाओं/ प्रशिक्षण कार्यक्रमों में भागीदारी

क्रम सं	प्रशिक्षण का विषय	नाम	समयावधि	स्थान
1	पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान पर अंतर्राष्ट्रीय बैठक	डॉ. एन. आनंद लक्ष्मी प्रधान वैज्ञानिक	6-7 अगस्त 2018	दुबई, यूएई
2	नराकास - 2 द्वारा आयोजित हिंदी कार्यशाला	डॉ. एस. पी. यादव, प्रधान वैज्ञानिक जे. श्रीनिवास राव, सहा.मु.तक.अधिकारी	8 अगस्त 2018	एनएफडीबी, हैदराबाद
3	एआईसीआरपी एवं कुकुट बीज परियोजना की वार्षिक समीक्षा बैठक	डॉ. आर. एन. चटर्जी, निदेशक डॉ. यू. राजकुमार, प्रधान वैज्ञानिक डॉ. एल. लेस्ली लिओ प्रिस, वरिष्ठ वैज्ञानिक	23 - 24 अगस्त 2018	उत्तर पूर्व क्षेत्रों के लिए भाकृअनुप अनुसंधान काप्लेक्स, उमियम
4	जिनोमिक चयन पर कार्यशाला	डॉ. टी. के. भट्टाचार्य राष्ट्रीय अध्येता	17 सितंबर 2018	भाकृअनुप - आईवीआरआई, इज्जतनगर
5	"खाद्य रक्षा एवं खाद्य सुरक्षा को सुनिश्चित करने हेतु अग्रिष्ठपथ" पर चौथा द्विवार्षिक सम्मेलन और राष्ट्रीय एएचपी संगोष्ठी	डॉ. डी. सुचिना सेना, प्रधान वैज्ञानिक डॉ. टी. आर. कन्नकी, वरिष्ठ वैज्ञानिक	26 - 27 अक्टूबर 2018	मोहाली, चंडीगढ़
6	भाकृअनुप संस्थानों के सतर्कता अधिकारियों को प्रशिक्षण व कार्यशाला	डॉ. एम.वी.एल.एन. राजू प्रधान वैज्ञानिक	31 अक्टूबर & 1 नवंबर 2018	नार्म, हैदराबाद

क्रम सं	प्रशिक्षण का विषय	नाम	समयावधि	स्थान
7	गहन हिंदी पारंगत पाठ्यक्रम प्रशिक्षण	डॉ. बी.एल.एन. रेड्डी, प्रधान वैज्ञानिक डॉ.एस.एस. पॉल, प्रधान वैज्ञानिक डॉ. आर. के. महापाला, प्रधान वैज्ञानिक डॉ. डी. सुचिता सेना, प्रधान वैज्ञानिक डॉ. एस. पी. यादव, प्रधान वैज्ञानिक डॉ. चंदन पासवान, वरिष्ठ वैज्ञानिक श्री वी. वी. राव, मु.तक . अधिकारी श्रीमती मीनाक्षी डांगे, मु.तक . अधिकारी श्री जी. राजेश्वर गौड, तक . अधिकारी श्री सी. बागच्या, सहा.ले.एवं वि. अधिकारी श्री राजेश पराशर, प्रवर श्रेणी लिपिक	1 नवंबर से 3 दिसंबर 2018	राजभाषा विभाग, भारत सरकार, भाकृअनुप-डीपीआर
8	मीट-टेक 2018 सम्मेलन “एक नई गुलाबी क्रांति हेतु मांस एवं संबद्ध उद्योगों में प्रौद्योगिकी रुझान एवं अवसर ”	डॉ. आर. एन. चटर्जी, निदेशक डॉ. आर. के. महापाला, प्रधान वैज्ञानिक डॉ. एस. पी. यादव, प्रधान वैज्ञानिक डॉ. एल. लेस्ली लिओ प्रिंस, वरिष्ठ वैज्ञानिक	2 नवंबर 2018	भारतीय उद्योग संघ, आईटीसी काकतीया, हैदराबाद
9	IPSA का XXXV वां वार्षिक सम्मेलन एवं राष्ट्रीय संगोष्ठी, IPSA CON-2018 “ ग्रामीण कुकुर उत्पादन: सतत उद्यमशीलता एवं विकास की चुनौतियां ”	डॉ. आर. एन. चटर्जी, निदेशक डॉ. यू. राजकुमार, प्रधान वैज्ञानिक डॉ. डी. सुचिता सेना, प्रधान वैज्ञानिक डॉ. संतोश हंशी, प्रधान वैज्ञानिक डॉ. बी. प्रकाश, वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. टी. आर. कनकी, वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. एस. के. भांजा, मु.तक . अधिकारी	12-17 नवंबर 2018	भाकृअनुप- सीआईएआरआई, पोर्टब्ल्यूर, अंडमान एवं निकोबाद द्वीप समूह
10	प्रयोगशाला मान्यता योजना के अंतर्गत “बाह्य प्रयोगशालाओं पर बीआईएस कार्यशाला (LRS2018)”	डॉ. टी. के. भट्टाचार्य राष्ट्रीय अध्येता	16 नवंबर 2018	बीआईएस चेन्नई
11	अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी और आठवीं-IMSA CON 2018	डॉ. टी. के. भट्टाचार्य राष्ट्रीय अध्येता	22-24 नवंबर 2018	डब्लूबीयूएफएस, कोलकाता
12	पोल्ट्री इंडिया द्वारा ज्ञान दिवस संगोष्ठी	डॉ. एस. वी. रामा राव, प्रधान वैज्ञानिक डॉ. एम.वी.एल.एन. राजू, प्रधान वैज्ञानिक डॉ. बी.एल.एन. रेड्डी, प्रधान वैज्ञानिक डॉ. टी. के. भट्टाचार्य, राष्ट्रीय अध्येता डॉ. आर. के. महापाला, प्रधान वैज्ञानिक डॉ. संतोश हंशी, प्रधान वैज्ञानिक डॉ. एस. पी. यादव, प्रधान वैज्ञानिक डॉ. ए. कनक, प्रधान वैज्ञानिक डॉ. एल. लेस्ली लिओ प्रिंस, वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. एम. षण्मुगम, वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. टी. आर. कनकी, वरिष्ठ वैज्ञानिक	27 नवंबर 2018	नोवाटेल, हाईटेक सिटी, हैदराबाद
13	भारतीय पशु चिकित्सक समाज का XXVII वां वार्षिक सम्मेलन	डॉ. एन. आनंद लक्ष्मी प्रधान वैज्ञानिक	27-28 नवंबर 2018	एनडीआरआई करनाल
14	भारत में वर्ष-व्यवस्था एवं पशु आनुवांशिक संसाधनों के पंजीकरण पर NBAGR द्वारा आयोजित संवादात्मक गोष्ठी	डॉ. संतोश हंशी, प्रधान वैज्ञानिक डॉ. एल. लेस्ली लिओ प्रिंस, वरिष्ठ वैज्ञानिक	16 नवंबर 2018	बीआईएस चेन्नई
15	भाकृअनुप अनुसंधान डेटा भंडार के ज्ञान प्रबंधन पर प्रभारी अधिकारी की तृतीय राष्ट्रीय कार्यशाला	डॉ. संतोश हंशी प्रधान वैज्ञानिक	4 दिसंबर 2018	एनएएससी कांप्लेक्स नई दिल्ली
16	प्रथम राष्ट्रीय आनुवंशिकी कांग्रेस (NGS)	डॉ. आर. एन. चटर्जी, निदेशक डॉ. एस.एस. पॉल, प्रधान वैज्ञानिक डॉ. टी. के. भट्टाचार्य, राष्ट्रीय अध्येता डॉ. एस. पी. यादव, प्रधान वैज्ञानिक	14- 16 दिसंबर 2018	आईएआरआई नई दिल्ली
17	'एक स्वास्थ्य: अभूतपूर्व उपयुक्ताएं अवसर एवं चुनौतियां पर संवादमूलक सत्र'	डॉ. डी. सुचिता सेना, प्रधान वैज्ञानिक डॉ. एम. षण्मुगम, वरिष्ठ वैज्ञानिक	17 दिसंबर 2018	भाकृअनुप- एनआरसीएम हैदराबाद

क्रम सं	प्रशिक्षण का विषय	नाम	समयावधि	स्थान
18	सी-डैक, कोलकाता द्वारा आयोजित " IoT प्रेरित खाद्य सुरक्षा एवं अपविष्ट अभिज्ञान पर राष्ट्रीय संगोष्ठी "	डॉ. ए. कन्नन प्रधान वैज्ञानिक	18 दिसंबर 2018	इंडिसमार्ट होटल साल्ट लेक कोलकाता
19	देशज कुकुट उत्पादन: भूमण्डलीय तापक्रम वृद्धि के परिवहन में संरक्षण, उत्पादकता में वृद्धि और वाणिज्यिक शोषण पर राष्ट्रीय सम्मेलन	डॉ. आर. एन. चटर्जी, निदेशक डॉ. यू. राजकुमार, प्रधान वैज्ञानिक डॉ. एल. लेस्ली लिओ प्रिंस, वरिष्ठ वैज्ञानिक	19-20 दिसंबर 2018	मद्रास पशुचिकित्सा विद्यालय, तनुवास, चैन्नई
20	"बदलते कृषि परिवहन में छोटे किसानों की संधारणीयता स्थिरता पर संगोष्ठी" RICAREA, हैदराबाद द्वारा आयोजित,	डॉ. एस. वी. रामा राव, प्रधान वैज्ञानिक डॉ. एम.वी.एल.एन. राजू, प्रधान वैज्ञानिक डॉ. वी.एल.एन. रेडी, प्रधान वैज्ञानिक डॉ. टी. के. भट्टाचार्य, राष्ट्रीय अध्येता डॉ. एन. आनंद लक्ष्मी, प्रधान वैज्ञानिक डॉ. एस.एस. पॉल, प्रधान वैज्ञानिक डॉ. यू. राजकुमार, प्रधान वैज्ञानिक डॉ. टी. के. भट्टाचार्य, राष्ट्रीय अध्येता डॉ. आर. के. महापाला, प्रधान वैज्ञानिक डॉ. एस. पी. यादव, प्रधान वैज्ञानिक डॉ. ए. कन्नन, प्रधान वैज्ञानिक डॉ. एल. लेस्ली लिओ प्रिंस, वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. एम. षण्मुगम, वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. टी. आर. कन्नकी, वरिष्ठ वैज्ञानिक	22 दिसंबर 2018	पीजेटीएसएयू हैदराबाद
21	पोल्टीवेट फाउन्डेशन द्वारा आयोजित तकनीकी संगोष्ठी	डॉ. टी. आर. कन्नकी वरिष्ठ वैज्ञानिक	28 दिसंबर 2018	नमककल

व्यक्तिगत

नवीन पदभार ग्रहण

- श्री पी. संतोष फणी कुमार, ने 23/07/2018 को तकनीकी सहायक के पद पर कार्य ग्रहण किया।
- कुमारी एन. शिवधरणी ने 19/11/2018 को अवर श्रेणी लिपिक के पद पर कार्य ग्रहण किया।
- श्री आर. गणेश ने 24/11/2018 को अवर श्रेणी लिपिक के पद पर कार्य ग्रहण किया।

सेवानिवृत्ति

- डॉ. आर.वी.राव 31/07/2018 को सेवानिवृत्त हुए।

शोक समाचार

- श्री जी. विजय कुमार, एसएसएस का 02/12/2018 को स्वर्गवास हुआ।

संपादन समिति

डॉ. संतोष हंशी, प्रधान वैज्ञानिक
डॉ. एम.वी.एल. एन. राजू, प्रधान वैज्ञानिक
डॉ. एम. षण्मुगम, वरिष्ठ वैज्ञानिक
डॉ. एस.पी. यादव, प्रधान वैज्ञानिक

सेवा में



निदेशक द्वारा प्रकाशित

भाकृअनुप – कुकुट अनुसंधान निदेशालय

राजेन्द्रनगर, हैदराबाद – 500 050, तेलंगाना, भारत

दूरभाष : 040-24017000/ 24015651, फैक्स : 040-24017002

ईमेल : pdpoult@ap.nic.in, वेबवाइट : www.pdonpoultry.org

ISO 9001 : 2015

